



अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद **नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070**

प्रेस विज्ञप्ति : 05 Sep 2021

शीर्षक :माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट संकाय सदस्यों और मेधावी छात्रों को विभिन्न पुरस्कारों के माध्यम से सम्मानित किया।

उप शीर्षक 1 : अभातशिप विश्वेश्वरैया सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार, उत्कृष्ट संकाय सदस्यों को डॉ प्रीतम सिंह सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार, अभिनव छात्रों को छात्र विश्वकर्मा पुरस्कार और सतत पर्यावरण के अनुकूल अभातशिप अनुमोदित संस्थानों को स्वच्छ और स्मार्ट कैम्पस पुरस्कार।

उप शीर्षक 2 : केंद्रीय शिक्षा मंत्री महोदय द्वारा उत्कृष्ट संकाय सदस्यों और अभिनव छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

नई दिल्ली 05 सितंबर 2021, इन पुरस्कारों को अभातशिप द्वारा असाधारण शिक्षकों की पहचान करने और उन्हें सम्मानित करने, उनकी उत्कृष्टता, सर्वोत्तम प्रथाओं, छात्रों के बीच नवीनता और रचनात्मकता और संस्थानों के बीच पर्यावरण संवेदनशीलता को पहचानने के लिए प्रारंभ किया गया है।

माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी के साथ शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह जी ने इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में 17 संकाय सदस्यों को अभातशिप विश्वेश्वरैया सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया, जबकि 3 संकाय सदस्यों को प्रबंधन शिक्षा में डॉ. प्रीतम सिंह सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मंत्री महोदय ने सभी पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत की और समाज में उनके योगदान की सराहना की। छात्रों द्वारा प्रदर्शित परियोजनाओं का दौरा करते हुए, उन्होंने छात्र विश्वकर्मा पुरस्कार की टीमों की अभिनवता और प्रयासों की प्रशंसा की और भारत के उज्वल भविष्य में विश्वास व्यक्त किया।

अभातशिप विश्वेश्वरैया सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार और डॉ. प्रीतम सिंह पुरस्कार 2021 पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री महोदय ने कहा कि इसका उद्देश्य मेधावी संकायों को सम्मानित करना और उन्हें वैश्विक स्तर पर उच्च शिक्षा की लगातार बदलती जरूरतों के लिए स्वयं को अद्यतन करने के लिए प्रोत्साहित करना है। और इस प्रकार ज्ञान समाज में प्रभावी योगदानकर्ता बन जाना है। डॉ. प्रीतम सिंह सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार इसी वर्ष प्रारंभ किया गया है जोकि प्रबंधन शिक्षा में शिक्षण उत्कृष्टता और संस्थागत नेतृत्व का प्रदर्शन करने के लिए संकाय सदस्यों को प्रदान किया जाता है।

उन्होंने कहा, "सदियों से हमारा भाग्य हमारे हाथ में नहीं था। पर जब आज हम आजादी के 75 वर्ष पूर्ण कर रहे हैं तो हम महसूस कर सकते हैं की हमारे पास नया भारत बनाने की इच्छाशक्ति मौजूद है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से भारत में शैक्षिक क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन 2047 के अनुसार अगले 25 वर्षों के लिए मार्ग प्रशस्त होगा। शिक्षा का उद्देश्य हमें अधिक जिम्मेदार बनाना है जिससे हम एक अच्छे वैश्विक नागरिक बन सकें। इसके लिए मैं इन 4 पुरस्कारों की स्थापना के लिए एआईसीटीई को बधाई देना चाहता हूं। इन पुरस्कारों ने शिक्षकों के प्रयासों को मान्यता देने के अलावा नवाचार की भी अलख जगाई है"।

माननीय मंत्री महोदय ने छात्रों, संकाय सदस्यों और संस्थानों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए परिषद की नवीन योजनाओं, जैसे कि अटल, एनआईटीटीटी, आईडिया लैब, छात्राओं के लिए प्रगति छात्रवृत्ति योजना, विशेष रूप से

दिव्यांग छात्रों के लिए सक्षम छात्रवृत्ति योजना, छात्रों को सशक्त बनाने के लिए, कोविड-19 महामारी से एक अथवा दोनों अभिभावकों के कालग्रस्त हो जाने के कारण अनाथ हुए बच्चों, सैन्य कार्रवाई में शहीद हुए केन्द्रीय अर्धसैनिक बलों और सशस्त्र बलों के बच्चों हेतु "सनाथ" योजनाओं; छात्रों के लिए छात्रावास के निर्माण के लिए कैफे योजना और प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण के लिए मोडरोब योजनाओं हेतु आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना (पीएमएसएसएसएस) जैसी योजनाएं जम्मू और कश्मीर, लद्दाख में छात्रों तक पहुंचती हैं। इनोवेशन एंबेसडर प्रोग्राम 'युवाओं के मस्तिष्क में नवोन्मेष के विचार उत्पन्न करेगा। उन्होंने अभातशिप को 11 क्षेत्रीय भाषाओं में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम उपलब्ध करने हेतु, क्षेत्रीय भाषाओं में तकनीकी पुस्तक लेखन, अटल अकादमी में अग्रणी और अपने पोर्टल के माध्यम से छात्रों को 6 लाख से अधिक इंटरशिप प्रदान करने के लिए बधाई दी।

अभातशिप उद्यमिता और नवाचार की बढ़ती संस्कृति का समर्थन करने के लिए विभिन्न कदम उठा रहा है। अभातशिप - छात्र विश्वकर्मा पुरस्कार ऐसी ही एक पहल है। ये पुरस्कार भारत में निर्माण प्रथाओं के शासक देवता भगवान विश्वकर्मा द्वारा संरक्षित इंजीनियरिंग और सृजन की भावना से प्रेरित हैं। इस प्रकार यह पुरस्कार हमारे छात्रों को सामाजिक चुनौतियों को देखने के लिए एक मंच प्रदान करने का एक साधन है, जिसका उद्देश्य नवीन और कम लागत वाले समाधान प्रदान करना है। इस वर्ष फिर से परिषद ने "इंडियाज इकोनॉमिक रिकवरी पोस्ट कोविड: रिवर्स माइग्रेशन एंड रिहैबिलिटेशन प्लान, आत्मनिर्भर भारत" विषय के साथ छात्र विश्वकर्मा पुरस्कार 2020 की घोषणा की।

छात्रों की 24 टीमों को सम्मानित किया गया है और उनके पुरस्कार विजेता मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं। छात्रों ने विभिन्न सामाजिक-आर्थिक मुद्दों के लिए बहुत उपयोगी और रचनात्मक समाधान विकसित किए हैं। इन छात्रों का जोश, उत्साह, अभिनवता और कड़ी मेहनत निकट भविष्य में भारत को नवीन विचारों को उत्पन्न करने का केंद्र बिंदु बनाएगी।

चयनित तकनीकी संस्थानों को स्वच्छ एंड स्मार्ट कैंपस अवार्ड, 2020 भी प्रदान किया गया है। पुरस्कार का उद्देश्य सभी हितधारकों, मुख्य रूप से छात्र समुदाय के साथ जुड़ाव की तलाश करना है, ताकि स्वच्छ भारत अभियान के अनुरूप स्वच्छता, स्थिरता और पर्यावरण आदि जैसे अमूर्त उद्देश्यों पर प्रौद्योगिकी की व्यापक गुंजाइश और क्षमता की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया जा सके। विजेता संस्थानों ने पर्यावरण के लिए बहुत चिंता और प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। सभी संस्थानों को अपनी गतिविधियों को **स्थायी, स्वच्छ और हरित पर्यावरण नीति के साथ संरेखित करना चाहिए।**

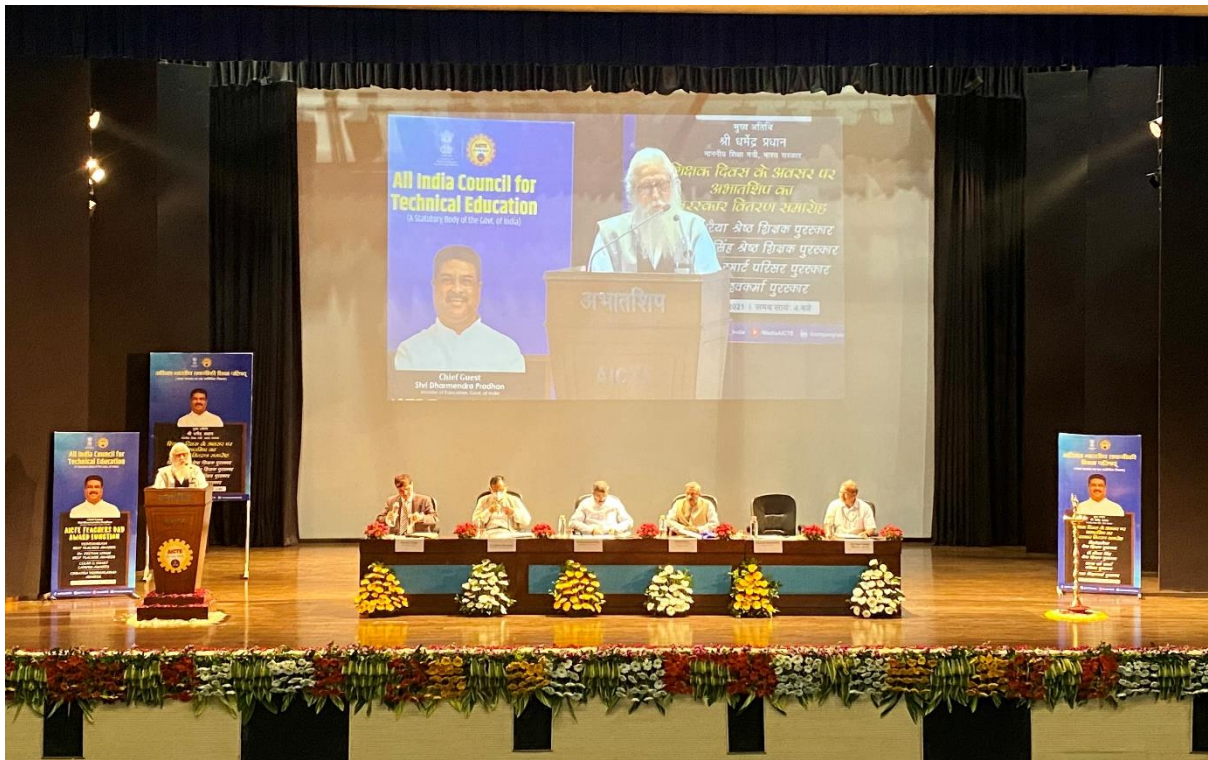
सभी पुरस्कारों के लिए भारी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई थी। विशिष्ट शिक्षाविदों/विशेषज्ञों की एक गठित समिति द्वारा कठोर, समग्र मूल्यांकन मानदंडों पर प्रस्तावों को शॉर्टलिस्ट किया गया था, जिन्होंने शिक्षण प्रभावशीलता, अभिनवता और अनुसंधान, अकादमिक नेतृत्व और सामुदायिक आउटरीच के विभिन्न मानकों पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया था।

इस अवसर पर बोलते हुए शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह ने छात्रों और अन्य सभी हितधारकों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि इस तरह का प्रोत्साहन विभिन्न शिक्षण समुदायों को प्रभावित करेगा, जो उन्हें छात्रों को त्रुटिहीन शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रेरित करेगा।"

शिक्षा मंत्रालय के सचिव, श्री अमित खरे ने कहा, "इस शिक्षक दिवस पर, मैं अपनी ओर से और शिक्षा मंत्रालय की ओर से भारत में पूरे शिक्षण समुदाय को अपनी शुभकामनाएं देता हूँ। भले ही हम अपने शिक्षकों को जीवन भर याद करते हैं, आज एक विशेष दिन है क्योंकि यह हमारे माननीय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जन्म जयंती है।"

अभातशिप के अध्यक्ष प्रो. अनिल डी सहस्रबुद्धे, उपाध्यक्ष प्रो.एम. पी. पूनिया और सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार ने भी कार्यक्रम के दौरान पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के महत्व पर प्रकाश डाला।

पुरस्कार विजेताओं की सूची अनुलग्नकों के रूप में संलग्न है



05 सितंबर 2021 को शिक्षक दिवस के अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ शिक्षा राज्य मंत्री डॉ राजकुमार रंजन सिंह द्वारा उत्कृष्ट संकाय सदस्यों और अभिनव छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

अभातशिप – विश्वेश्वरैया पुरस्कार और डॉ प्रीतम सिंह सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2021

क्रमांक	पुरस्कार पाने वाले का नाम	राज्य	संस्थान का नाम	विषयक्षेत्र
1	चिन्मय सहाय	केरल	भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान	रेडियो भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स
2	विकास महादेव फले	महाराष्ट्र	वीरमाता जीजाबाई प्रौद्योगिकी संस्थान	मैकेनिकल इंजीनियरिंग
3	शहनाज़ अयूब	उत्तर प्रदेश	बुंदेलखंड इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी झाँसी	इलेक्ट्रॉनिक और संचार प्रौद्योगिकी
4	नीलम दुहानी	हरियाणा	जे सी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	कंप्यूटर इंजीनियरिंग
5	मधु एस नायर	केरल	कंप्यूटर विज्ञान विभाग, कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
6	पेरुमल सुप्रजा	तमिलनाडु	एसआर एम इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी	कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
7	विश्वनाथ हेली दलवी	महाराष्ट्र	रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान	केमिकल इंजीनियरिंग
8	ज्योति गजरानी	राजस्थान	इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर	कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
9	दीपक कुमारी	गुजरात	इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्कूल	इलेक्ट्रॉनिक और मैकेनिकल इंजीनियरिंग
10	संजुला बाबूता	दिल्ली	फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च स्कूल	फार्मेसी
11	जयबालान श्रीकांत:	तमिलनाडु	फार्मेसी के श्री रामचंद्र फैकल्टी	फार्मेसी
12	संदीपन प्रल्हाद नरोते	महाराष्ट्र	सरकारी आवास महिला पॉलिटैक्निक, तसगांव	इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग
13	सौरभ खरे	मध्य प्रदेश	डॉ. बी आर अंबेडकर पॉलिटैक्निक कॉलेज, ग्वालियर	कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
14	कल्पेश एच वंदरा	गुजरात	जीएमबी पॉलिटैक्निक - राजुला	कंप्यूटर इंजीनियरिंग

15	संजय नीलकंठ तालबारी	महाराष्ट्र	श्री गुरु गोबिंद सिंह जी इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	इलेक्ट्रॉनिक और दूरसंचार इंजीनियरिंग
16	कायारोगनम पलानी कुमारी	तमिलनाडु	श्री साई राम प्रौद्योगिकी संस्थान	मैकेनिकल इंजीनियरिंग
17	हरविंदर सिंह	पंजाब	गुरु नानक देव इंजीनियरिंग कॉलेज	मैकेनिकल इंजीनियरिंग
18	मधु वीरराघवनी	कर्नाटक	टी ए पाई प्रबंधन संस्थान	प्रबंधन
19	पूजा सुसान थॉमस	गुजरात	अभ्रक	प्रबंधन
20	राहुल सिंह	उत्तर प्रदेश	बिरला प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान	प्रबंधन

अनुलग्नक 2

स्वच्छ और स्मार्ट परिसर पुरस्कार विजेताओं की सूची

क्रमांक	क्षेत्र	संस्थान का नाम	राज्य	श्रेणी
स्वच्छ और स्मार्ट परिसर विजेता: प्राकृतिक संसाधन संरक्षण द्वारा परिसर में स्मार्टनेस जोड़ने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग				
1	दक्षिण पश्चिम	क्रिस्टु जयंती कॉलेज	कर्नाटक	अन्य कॉलेज (स्टैंडअलोन पीजीडीएम संस्थानों सहित)
2	दक्षिण	श्री साई राम इंजीनियरिंग कॉलेज	तमिलनाडु	अन्य कॉलेज (स्टैंडअलोन पीजीडीएम संस्थानों सहित)
3	दक्षिण	श्री कृष्णा इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज	तमिलनाडु	अन्य कॉलेज (स्टैंडअलोन पीजीडीएम संस्थानों सहित)
4	दक्षिण	त्यागराजर पॉलिटैक्निक कॉलेज	तमिलनाडु	पॉलिटैक्निक
5	पश्चिम	संजीवनी के बी पी पॉलिटैक्निक, कोपरगाँव	महाराष्ट्र	पॉलिटैक्निक
6	दक्षिण	मुरुगप्पा पॉलिटैक्निक कॉलेज	तमिलनाडु	पॉलिटैक्निक
7	दक्षिण	एस आर एम इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी	तमिलनाडु	यूनिवर्सिटी (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी)
8	उत्तर पश्चिम	इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय (यूआईई), घरुआन विश्वविद्यालय	पंजाब	यूनिवर्सिटी (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी)
9	दक्षिण पश्चिम	रेवा विश्वविद्यालय	कर्नाटक	यूनिवर्सिटी (डीमड टू बी यूनिवर्सिटी)

स्वच्छ और स्मार्ट परिसर विजेता (आईकेएस)				
10	दक्षिण	बन्नारी अम्मान प्रौद्योगिकी संस्थान	तमिलनाडु	अन्य कॉलेज (स्टैंडअलोन पीजीडीएम संस्थानों सहित) आई के एस
11	दक्षिण केन्द्रीय	कोनेरू लक्ष्मैया शिक्षा फाउंडेशन	आंध्र प्रदेश	विश्वविद्यालय (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) आई के एस
12	दक्षिण	कलासलिंगम अनुसंधान और शिक्षा अकादमी	तमिलनाडु	विश्वविद्यालय (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) आई के एस

अनुलग्नक 3

छात्र विश्वकर्मा पुरस्कार प्राप्त छात्रों की परियोजनाएँ और समाज के लिए इनका उपयोग

क्रमांक	टीम का नाम	परियोजना का नाम	उप - श्रेणी	संस्थान का नाम	राज्य	रैंक
1	इंटेली-सेंस	दृष्टि - दृष्टिहीनों के लिए एआई संचालित दृश्य सहायक	और कोई अन्य आवश्यक सहायता	वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी चेन्नई ऑफ कैंपस	तमिलनाडु	प्रथम
2	सिनर्जी	प्रतिक्रिया आधारित स्मार्ट विद्युत मीटर	और कोई अन्य आवश्यक सहायता	श्री शिवसुब्रमण्य नादर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	तमिल नाडु	द्वितीय
3	ब्लू लियो	स्मार्ट जल प्रबंधन प्रणाली	और कोई अन्य आवश्यक सहायता	विष्णु प्रौद्योगिकी संस्थान	आंध्र प्रदेश	तृतीय
4	मेक्ट्रोनिका	बहुउद्देश्यीय चिकित्सा रोबोट	पर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक पहुंचने में बाधाएं	भिलाई प्रौद्योगिकी संस्थान	छत्तीसगढ़	प्रथम
5	क्लॉटिक	निरामय:	पर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक पहुंचने में बाधाएं	एसआर एम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी	तमिल नाडु	द्वितीय
6	शाहुल	"+मेडी बी" जीवन बचाने के लिए एक चिकित्सा ड्रोन	पर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक पहुंचने में बाधाएं	ऑडिसनकारा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	आंध्र प्रदेश	तृतीय

7	इनविसिबल	एंटी रेप बैंड	घरेलू हिंसा का मुकाबला करने के लिए लैंगिक - प्रतिक्रियाशील तंत्र	आनंद फार्मसी कॉलेज	गुजरात	प्रथम
8	चैलेंजर्स	आईओटी आधारित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिला सुरक्षा उपकरण	घरेलू हिंसा का मुकाबला करने के लिए लैंगिक - प्रतिक्रियाशील तंत्र	आदित्य प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान	आंध्र प्रदेश	द्वितीय
9	मारवैल्स मैनिक्स	सुरक्षा तासेर	घरेलू हिंसा का मुकाबला करने के लिए लैंगिक - प्रतिक्रियाशील तंत्र	केसीजी प्रौद्योगिकी कॉलेज	तमिलनाडु	तृतीय
10	फिनोम्स	चिकित्सा सहायता ड्राइड	मानसिक स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक सहयोग	श्री साईराम इंजीनियरिंग कॉलेज	कर्नाटक	प्रथम
11	फायर बर्ड	दवा के पालन और बुजुर्गों के लिए निगरानी और मास्क का पता लगाकर और सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए मिनी रोबोट	मानसिक स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक सहयोग	आरएमके इंजीनियरिंग कॉलेज	तमिलनाडु	द्वितीय
12	यंग इनोवेटर्स	मस्तिष्क आवृत्ति नियंत्रित बाधा व्हील चेयर	मानसिक स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक सहयोग	डॉ.महलिंगम इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज	तमिल नाडु	तृतीय
13	एस-द ट्रिंक	उन्नत यूवी स्वच्छता कक्ष	आत्मनिर्भर भारत के मिशन को प्राप्त करने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देना	सीएमआर प्रौद्योगिकी संस्थान	कर्नाटक	प्रथम
14	श्री चक्र:	लेवो टैब	आत्मनिर्भर भारत के मिशन को प्राप्त करने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देना	नेहरू कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड रिसर्च सेंटर	केरल	द्वितीय
15	जीनिप्सड सोल्यूशन स्काड	महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए किफायती सैनिटरी पैड का अभिनव निर्माण	आत्मनिर्भर भारत के मिशन को प्राप्त करने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देना	गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी	पश्चिम बंगाल	तृतीय

16	कंकरर्स	कोशेप्रो	मूल्य वर्धित कृषि प्रक्रियाओं, उत्पादों और हस्तशिल्प को बढ़ावा देना	अग्नि प्रौद्योगिकी कॉलेज	तमिलनाडु	प्रथम
17	टीम सवितर	मल्टी पायरोलिसिस द्वारा मूल्य वृद्धि	मूल्य वर्धित कृषि प्रक्रियाओं, उत्पादों और हस्तशिल्प को बढ़ावा देना	जी बी पंत इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	उत्तराखंड	द्वितीय
18	द ग्रीन बीम	एग्रोनोवा- कृषि क्षेत्रों के लिए स्वचालित मानवरहित निरीक्षण और विविध सिंचाई प्रणाली।	मूल्य वर्धित कृषि प्रक्रियाओं, उत्पादों और हस्तशिल्प को बढ़ावा देना	गुरुनानक प्रौद्योगिकी संस्थान	पश्चिम बंगाल	तृतीय
19	श्रमिक	श्रमिक	पुनः आजीविका सुनिश्चित करने के लिए कौशल या उन्नत कौशल	सगी रामकृष्णम राजू इंजीनियरिंग कॉलेज	आंध्र प्रदेश	प्रथम
20	इन्फोजॉब्स भारती	गांवों में स्मार्ट तरीके से काम करें	आजीविका सुनिश्चित करने के लिए पुनः कौशल या उन्नत कौशल	डॉ.महलिंगम इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज	तमिल नाडु	द्वितीय
21	गो – प्रो	इंडिया हाट: स्वदेशी पारंपरिक कौशल और शिल्प को बढ़ावा देने के लिए कौशल मानचित्रण और ई-कॉमर्स	आजीविका सुनिश्चित करने के लिए पुनः कौशल या उन्नत कौशल	इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज	उत्तर प्रदेश	तृतीय
22	जीसीईके	पोर्टेबल एयर कंडीशनिंग उपकरण	काम करने की स्थिति; व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा मुद्दों को सुनिश्चित करना	गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग, कराड़	महाराष्ट्र	प्रथम
23	केयरल्टस	एमक्यूटीटी सर्वर/क्लाइंट का उपयोग कर मैकेनाइज्ड इंटरवेनस फ्लूइड मॉनिटरिंग और अलर्टिंग सिस्टम	काम करने की स्थिति; व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा मुद्दों को सुनिश्चित करना	मनकुला विनयगर प्रौद्योगिकी संस्थान	पुदुचेरी	द्वितीय
24	फ्रंटलाइनर	4 इन 1 स्मार्ट मास्क	काम करने की स्थिति; व्यावसायिक	इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट	पश्चिम बंगाल	तृतीय

		स्वास्थ्य और सुरक्षा मुद्दों को सुनिश्चित करना		
--	--	---	--	--